# गीडा की सुविधाओं से उड़ान भरेगा एयरोस्पेस-रक्षा उद्योग

## रोजगार और निवेश के खुलेंगे द्वार, औद्योगिक हब के रूप में मिलेगी पहचान

अमर उजाला ब्यूरो

**गोरखपुर।** गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) बोर्ड की ओर से उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस और रक्षा इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2024 को स्वीकृत किए जाने से पूर्वांचल के औद्योगिक परिदृश्य में नया अध्याय जुड़ गया है। इस निर्णय को गीडा के समग्र औद्योगिक विकास, निवेश आकर्षण और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस नीति के लागू होने से गीडा क्षेत्र में एयरोस्पेस, रक्षा उपकरण निर्माण, ड्रोन टे क नो लॉ जी , विमान कलपुर्जे, इ ले क ट्रॉ नि क स , एवियोनिक्स और संबंधित सहायक उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे गीडा को राष्ट्रीय स्तर पर एक उभरते औद्योगिक हब के रूप में पहचान मिलेगी।

**बदल रहा है गोरखपुर**

नई नीति के तहत एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र से जुड़ी इकाइयों को कई प्रकार की वित्तीय और गैर-वित्तीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसमें पूंजी निवेश पर अनुदान, स्टांप ड्यूटी में छूट, बिजली शुल्क में रियायत, ब्याज अनुदान और तकनीकी प्रशिक्षण सहायता शामिल है। इससे बड़े औद्योगिक समूहों के साथ-साथ मध्यम और लघु उद्यमों को भी निवेश के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

एयरोस्पेस और रक्षा नीति के अंतर्गत यदि कोई भी योग्य उद्योग गीडा क्षेत्र में निवेश के लिए आता है, तो उसे नियमानुसार भूमि का आवंटन किया जाएगा। गीडा निवेशकों को हरसंभव सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राधिकरण सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योगों को त्वरित स्वीकृतियां उपलब्ध कराएगा।
**- अनुज मलिक,** सीईओ, गीडा

### रोजगार सृजन को मिलेगा बल

इस नीति का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि के रूप में देखने को मिलेगा। एयरोस्पेस और रक्षा उद्योग तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की मांग करते हैं, जिससे इंजीनियरों, तकनीशियनों, आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं और कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। अप्रत्यक्ष रूप से ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स, होटल, सुरक्षा और अन्य सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार बढ़ेगा। आने वाले दिनों में गीडा क्षेत्र में आधारभूत ढांचे का तेजी से विकास होने की संभावना है। बेहतर सड़क नेटवर्क, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जल प्रबंधन, औद्योगिक भूखंडों का विकास और आधुनिक सुविधाओं से युक्त औद्योगिक क्लस्टर तैयार किए जाएंगे।

### धुरियापार में गीडा की योजनाएं

गीडा की ओर से धुरियापार क्षेत्र में पहले से ही कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। यहां नए औद्योगिक सेक्टर विकसित किए जा रहे हैं, जहां प्लास्टिक, फूड प्रोसेसिंग, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और एमएसएमई इकाइयों के लिए भूमि विकसित की जा रही है। धुरियापारमें चौड़ी सड़कों, ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट और हरित पट्टी के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा धुरियापार क्षेत्र को भविष्य में एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की सहायक इकाइयों के लिए एक संभावित क्लस्टर के रूप में भी विकसित किया जा सकता है, जिससे गीडा का विस्तार और अधिक संगठित रूप में हो सके।

## साइंस म्यूजियम में दिखेगी मानव जीवन की उत्पत्ति व सनातन संस्कृति

**गोरखपुर।** शहर को जल्द ही एक बड़ी शैक्षिक और सांस्कृतिक सौगात मिलने जा रही है। यूनिवर्सिटी चौक के पास नगर निगम की ओर से शहर का पहला आधुनिक साइंस म्यूजियम बनाया जाएगा, जहां मानव जीवन की उत्पत्ति, सनातन संस्कृति, विज्ञान और एआई तक की जानकारी एक ही परिसर में देखने को मिलेगी। करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की कार्ययोजना को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। अब जल्द ही वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद शासनादेश जारी होने और टेंडर प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। इस साइंस म्यूजियम में कई विषय पर आधारित गैलरियां बनाई जाएंगी। यहां ज्वालामुखी, उल्कापिंड, चुंबकीय क्षेत्र जैसी प्राकृतिक और वैज्ञानिक घटनाओं को अत्यंत रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा। एंटार्कटिका की चट्टानें, हिमालयी जीवाश्म, डायनासोर के अंडे और जापान की ज्वालामुखीय चट्टानों जैसे दुर्लभ नमूनों को भी प्रदर्शित करने की योजना है। जीवाश्मों और इंटरेक्टिव डिस्प्ले के माध्यम से जीवन के विकास, विलुप्ति और पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी जाएगी। म्यूजियम में मल्टीमीडिया, लाइट इफेक्ट्स और आधुनिक मॉड्यूल्स का उपयोग किया जाएगा, जिससे सीखने का अनुभव और भी प्रभावी हो सके। यह स्थान छात्रों, शोधकर्ताओं और विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए एक आदर्श शैक्षिक केंद्र के रूप में विकसित होगा। इसके अलावा स्पेस साइंस म्यूजियम भी इस परियोजना का अहम हिस्सा होगा, जहां अंतरिक्ष विज्ञान, ग्रहों, उपग्रहों और अंतरिक्ष अभियानों की जानकारी आकर्षक ढंग से दी जाएगी। पीएसएलवी और जीएसएलवी जैसे रॉकेटों के मॉडल के साथ-साथ अपोलो-11 और चंद्रयान जैसे भारतीय व अंतरराष्ट्रीय मिशनों को प्रदर्शित किया जाएगा। थ्री-डी फिल्मों के जरिये ब्रह्मांड, ब्लैक होल और तारों की गतिविधियों का जीवंत अनुभव कराया जाएगा। म्यूजियम में बच्चों के लिए स्पेस मिशन सिमुलेशन, अंतरिक्ष यान उड़ाने और जीरो ग्रैविटी जैसे इंटरेक्टिव गेम्स की भी व्यवस्था होगी। वहीं एक्वेटिक साइंस म्यूजियम में जलजीवों, समुद्री विज्ञान और पारिस्थितिकी को दर्शाया जाएगा। यह म्यूजियम विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक बड़ा केंद्र बनेगा। ब्यूरो

**इस तरह दिखेगा साइंस म्यूजियम।** स्रोत-नगर निगम